हिन्दुस्तान

मार्च 8, 2018

बीबीडी विश्वविद्यालय का शून्य से शिखर का सफर

बेहतरीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, योग्य फैकल्टी और अनुशासित छात्र-छात्राएं। हम बात कर रहे हैं बाबू बनारसी दास (बीबीडी) विश्वविद्यालय की। शहर का ऐसा विश्वविद्यालय जहां से कई ऐसी प्रतिभाएं पढ़ाई कर निकली हैं जो वर्तमान में अपने-अपने क्षेत्रों में मुकाम हासिल किया है। आज शहर के अन्य निजी विश्वविद्यालय बीबीडी से काफी पीछे हैं। आइए जानते हैं कि बीबीडी ग्रुप शिक्षा क्षेत्र में किस तरह से शून्य से शिखर तक का सफर तय किया है।

1997 में पड़ी थी नींव

बाबू बनारसी दास नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट की नींव 1997 में पड़ी थी। दो साल बाद बाबू बनारसी दास नार्दर्न इण्डिया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की शुरूआत हुई। तत्पश्चात 2000 में बाबू बनारसी दास कॉलेज ऑफ डेन्टल साइंस की भी स्थापना हुई। 2005 में देश की राजधानी दिल्ली में नार्दर्न इण्डिया इंजीनियरिंग कॉलेज एवं 2007 में बीबीडी इंजीनियरिंग कालेज, लखनऊ की स्थापना हुई। इसके बाद 12 अक्टूबर 2010 अधिनियम के द्वारा बीबीडी विश्वविद्यालय लखनऊ की स्थापना एक स्वायत्त शासी संस्था के रूप में हुई। जिसमें वर्तमान में 11 स्कूल (फैकल्टी) स्थापित किये गये हैं। बीबीडी ग्रुप विगत दो दशकों से उच्च तथा तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थानों में स्थान बना चुका है।

विजन एवं मिशन

बाबू बनारसी दास विश्वविद्यालय की चांसलर अलका दास ने बताया कि विश्वविद्यालय का उद्देश्य छात्रों को विचारशील नेतृत्व और टीम वर्क, कौशल विकास तथा तथा गुणवत्तापरक शिक्षा देना है।

बीबीडी रेडियो 90.8

कैम्पस का अपना एफएम चैनल 90.8 है जिसमें मॉस कम्युनिकेशन पत्रकारिता आदि के विद्यार्थियों को जानकारी देकर उन्हें काम के तरीके सिखाये जाते है एवं छात्रों द्वारा कम्पोज किये गये कार्यकमों का ही प्रसारण किया जाता है।

बीबीडीयु में लांच किए गए नए कोर्स

बीएससी आनर्स (मैथ्स एवं इलेक्ट्रानिक साइंस) बीकाम आनर्स, मॉस कम्युनिकेशन, बीपीएड। इसके अतिरिक्त इंडस्ट्री डिमांड को देखते हुये 2018 में एमकाम, एलएलएम, कारपोरेट एवं कर्मशियल लॉ, बीएससी, न्यूट्रीशियन, फूड सर्विसेज मैनेजमेण्ट एवं डाइटेटिक्स कोर्स शुरू करने की तैयारी है। बीबीडी में चलाये जाने वाले प्रमुख कोर्स-इंजीनियरिंग साइंस, मैनेजमेण्ट, कम्प्यूटर एप्लीकेशन, आर्कीटेक्चर, होटल मैनेजमेंट, एजूकेशन, फिजिकल एजूकेशन, कामर्स, साइंस, डेण्टल सर्जरी आदि स्नातक, स्नातकोत्तर एवं पीएचडी उपाधि प्रदान की जाती है।

प्लेसमेंट में कम्पनियों की भरमार

लगभग 200 कम्पनी प्रतिवर्ष कैम्पस भर्ती हेतु आती हैं जिनमें इन्फोसिस, टीसीएस, टेक महिन्द्रा, रिलायंस म्यूचुअल फण्ड, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई प्रेडेन्शियल, रॉयल बैंक आफ स्काटलैण्ड, पीएनबी मेट लाइफ, हिन्दुस्तान टाईम्स, कोटक महिन्द्रा बैंक, आईटीसी लिमिटेड, अशोक लीलैण्ड, बर्जर पेंटस, कार्वी, कोलगेट, गोदरेज, इण्डिया मार्ट, जस्टडायल, जे कनेक्ट, ओला, इन्डोवेज, स्मार्ट प्रिक्स, जारो, नौकरी डॉट काम,टॉमी हिलफिगर, डायरेक्ट इंटरनेट सल्यूशन्स, कोटक लाईफ इंश्योरेंस, बाईजास, एनआईआईटी टेक्नोलॉजीस, ओपो, 99 एक्रेस डॉट काम, डॉ रेड्डी, जैसे दर्जनों कम्पनियों से विश्विविद्यालय का टाइअप है। बीबीडी से पास आउट विद्यार्थी भारत के अलावा विदेशों में भी कई प्रमुख कंपनियों में उच्च पदों पर आसीन हैं। इसके अलावा कुछ विद्यार्थी भारतीय प्रशासनिक सेवा में भी चयनित होकर देश सेवा कर रहे हैं।

कंज्यूमर कनेक्ट इनिशिएटिव

स्व. अखिलेश दास गुप्ता

अलका दास, चांसलर, बीबीडी यूनिवर्सिटी

शिक्षा के क्षेत्र में काम करना मेरा सपना था। करीब डेढ़ दशक से मैं इस क्षेत्र में काम कर रही हूं। मेरा लक्ष्य दिल्ली, पुणे, मुम्बई की तरह लखनऊ को भी एजूकेशनल हब के रूप में विकसित करना है तथा प्रदेश व देश के छात्र एवं छात्राओं को विश्वस्तरीय, गुणवत्तापरक शिक्षा प्रदान करना है। हम स्टार्टअप इन्क्यूबेशन सेण्टर के द्वारा छात्रों में उद्यमिता को बढ़ावा देंगे। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डिजिटल प्रौद्योगिकी के साथ पर्सनालिटी डेवलपमेण्ट पर हमारा फोकस रहेगा। हम चाहते हैं कि बच्चे सेल्फ ग्रोथ के साथ समाज और देश के विकास में भगीदार बनें।

अलका दास